National Conference on Latest Innovations in Engineering, Science, Management and Humanities (NCLIESMH – 2024)

26th May, 2024, Raipur, Chhattisgarh, India.

CERTIFICATE NO : NCLIESMH /2024/C0524523

उत्तर प्रदेश में कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन

Kunvar Vishal Pratap Yadav

Research Scholar, Ph. D. in Geography
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P., India.

सारांश

उत्तर प्रदेश, भारत का एक प्रमुख कृषि प्रधान राज्य है, जहाँ कृषि जलवायु परिस्थितियों पर अत्यधिक निर्भर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और चक्रवात जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं, जिससे राज्य की कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। अत्यधिक गर्मी और अपर्याप्त जल आपूर्ति के कारण फसल उत्पादन में गिरावट देखी गई है, विशेष रूप से गेहूँ, धान, गन्ना और दलहन की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। असमय वर्षा और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हो रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है। जल संसाधनों की कमी और भूमिगत जल स्तर में गिरावट के कारण सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है, जिससे किसानों की निर्भरता मानसून पर बढ़ गई है। इसके अलावा, कीटों और बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ रहा है, जिससे उत्पादन लागत बढ़ रही है और किसानों को अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए फसल विविधीकरण, जल प्रबंधन तकनीकों, सतत कृषि पद्धतियों और सरकारी नीतियों की प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है, जिससे कृषि क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाया जा सके।